16. परीक्षा का स्वरूप

16.1 परीक्षा **OMR** आधारित होगी।

16.2 **परीक्षा का स्वरूप एवं पाठ्यक्रम** :– परीक्षा निम्नलिखित तीन चरणों में ली जायेगीः–

(क) शारीरिक मापदण्ड एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा
(ख) लिखित परीक्षा
(ग) चिकित्सीय जाँच परीक्षा

16.3 क) शारीरिक मापदण्ड (सीने की माप)/दक्षता परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थी ही लिखित परीक्षा के लिए पात्र होंगे। नियुक्ति पर्षद के माध्यम से अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा (01 मील की दौड़) आयोजित की जायेगी। शारीरिक मापदण्ड (सीने की माप)/दक्षता परीक्षा में उतीर्ण होना अनिवार्य है। यह परीक्षा अर्हक (Qualifying) परीक्षा है जिसमें कोई अंक देय नहीं होगा।

ख) लिखित एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की शारीरिक मापदण्ड (उँचाई की माप) एवं चिकित्सीय जाँच परीक्षा राज्य सरकार द्वारा गठित चिकित्सीय पर्षद द्वारा आयोजित की जायेगी तथा इसमें सफल होना अनिवार्य होगा अन्यथा मेधा सूची में नाम सम्मिलित नहीं किया जायेगा। शारीरिक मापदण्ड जाँच (उँचाई की माप) एवं चिकित्सीय जाँच परीक्षा में अयोग्य पाये गये अभ्यर्थियों को अपीलीय चिकित्सा पर्षद के समक्ष शारीरिक मापदण्ड एवं चिकित्सीय जाँच हेतु उपस्थित होने का अवसर प्रदान किया जायेगा। चिकित्सीय जाँच के मामले में अपीलीय चिकित्सा पर्षद का निर्णय अंतिम होगा एवं इसके विरूद्ध कोई अपील स्वीकार्य नही होगा।

ग) आयोग द्वारा लिखित परीक्षा के आधार पर मेधासूची गठित की जाऐगी तथा उनके प्रमाण–पत्रों के प्रारंभिक सत्यापन के पश्चात परीक्षाफल प्रकाशित करते हुए नियुक्ति के निमित्त अनुशंसा की जायेगी।

17. **लिखित परीक्षा** :– शारीरिक मापदण्ड (सीने की माप)/दक्षता परीक्षा में उतीर्ण अभ्यथियों की आयोग द्वारा OMR आधारित परीक्षा ली जायेगी। परीक्षा यदि विभिन्न समूहों में लिया जाता है तो अभ्यर्थियों के प्राप्तांक का Normalisation किया जायेगा एवं मेधा सूची उनके प्राप्तांक के Normalised अंक के आधार पर तैयार किया जायेगा तथा परीक्षाफल प्रकाशन के पश्चात् उन्हें Normalised अंक ही दिया जायेगा।

__परीक्षा का स्वरूप निम्न प्रकार होगा__ :— परीक्षा एक चरण (मुख्य परीक्षा) में ली जायेगी।

परीक्षा में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर युक्त होंगे। एक प्रश्न का पूर्ण अंक 3 (तीन) होगा। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 3 (तीन) अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 (एक) अंक की कटौती की जायेगी।

भाषा विषयों को छोड़कर अन्य विषयों के प्रश्न हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

18. मुख्य परीक्षा :—

मुख्य परीक्षा के लिए तीन पत्र होंगे। यह परीक्षा तीन पालियों में ली जायेगी। प्रत्येक पत्र के परीक्षा की अवधि 2 घंटा की होगी। इसमें निम्न विषय रहेंगेः—

18.1 पत्र — 1 (भाषा ज्ञान) : कुल प्रश्न — 120, परीक्षा अवधि — 2 घंटा

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान	—	80 प्रश्न
(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान	—	40 प्रश्न

भाषा ज्ञान में प्राप्त अंक मात्र अर्हक (Qualifying) होगा, जिसमें उत्तीर्ण होने के लिए हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान में प्राप्त अंको को जोड़ कर 30% अंक प्राप्त करना निर्धारित रहेगा। इस पत्र में प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।

18.2 पत्र — 2

__जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा ज्ञान, कुल प्रश्न—100, परीक्षा अवधि— 2 घंटा__

हिन्दी/ अंग्रेजी/ संस्कृत/ उर्दु/ संथाली/ बंगला/ मुण्डारी (मुण्डा)/ हो/ खड़िया/ कुडुख (उराँव)/ कुरमाली/ खोरठा/ नागपुरी/ पंचपरगनिया/ उड़िया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के एक सौ (100) बहुविकल्पीय उत्तर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।

चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

18.3 पत्र— 3

__सामान्य ज्ञान, कुल प्रश्न—120, परीक्षा अवधि— 2 घंटा__

(क) सामान्य अध्ययन	—	40 प्रश्न
(ख) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	—	50 प्रश्न
(ग) सामान्य गणित	—	10 प्रश्न
(घ) सामान्य विज्ञान	—	20 प्रश्न

सामान्य ज्ञान परीक्षा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

ResultBharat.com

टिप्पणीः– पत्र–1 (भाषा ज्ञान) की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30% (तीस प्रतिशत) है। इससे कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जायेंगे तथा ऐसे अभ्यर्थियों के पत्र–2 एवं पत्र–3 का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा। इसी तरह चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा प्रश्न पत्र–2 में 30 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के प्रश्न पत्र–3 का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम

पत्र – 1 (भाषा ज्ञान)

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान :–

(i) हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

(ii) हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न – 60 प्रश्न

इस विषय में हिन्दी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान :–

(i) अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

(ii) अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

इस विषय में अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

ResultBharat.com

पत्र – 2 (क्षेत्रीय भाषा)

हिंदी/अंग्रेजी/संस्कृत/उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी (मुण्डा)/ हो/ खड़िया/ कुडूख (उरांव)/ कुरमाली/ खोरठा/ नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़िया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

क्षेत्रीय भाषा का पाठ्यक्रम **परिशिष्ट XIV** में संलग्न है।

पत्र –3 (सामान्य ज्ञान)

(क) सामान्य अध्ययनः–

इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी के आस–पास के वातावरण की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के संबंध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जैसा कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है।

इसमें भारत देश एवं झारखण्ड राज्य के संबंध में विशेष रूप से यथासंभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय – राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरस्कार, भारतीय भाषाएँ, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी, महत्त्वपूर्ण घटनाएँ। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, झारखण्ड राज्य की सामान्य जानकारी।

(ख) **झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान** :– झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी इत्यादि।

(ग) **सामान्य गणित** :– इस विषय में सामान्यतः अंक गणित से सम्बन्धित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

(घ) **सामान्य विज्ञान** :–

सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित विषय रहेंगें, जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से, जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

ResultBharat.com

19. मुख्य परीक्षा के आधार पर मेधा सूची का निर्माण :

(i) आयोग द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा के उपरांत प्रश्न पत्र 2 एवं 3 के विषयों के प्राप्तांक/Normalised प्राप्तांक के योगफल के आधार पर सामान्य मेधा–सूची (Common Merit List) तैयार की जायेगी और **मेधा (Merit)** के आधार पर कोटिवार रिक्त पदों की संख्या के अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

(ii) मेधा–सूची में एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक समान (Equal Marks) रहने पर मेधा का निर्धारण उम्मीदवारों की जन्म तिथि के आधार पर किया जायेगा तथा अभ्यर्थी, जिनकी उम्र ज्यादा होगी, उन्हे अपेक्षाकृत ऊपर स्थान मिलेगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक और जन्म तिथि समान पायी जाती है, तो ऐसी स्थिति में

उनके मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा में प्राप्त अकों के आधार पर मेधा का निर्धारण किया जायेगा, अर्थात मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को मेधाक्रम में ऊपर रखा जायेगा।

(iii) मेधा के आधार पर अनारक्षित पद के लिये तैयार मेधा सूची में समान मापदंड पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी के आने की स्थिति में उक्त अभ्यर्थी की गणना अनारक्षित वर्ग के अनुमान्य पदों के विरूद्ध की जायेगी और उनके नाम के सामने उनका आरक्षण वर्ग भी वही होगा। इस सम्बन्ध में राज्य सरकार से प्राप्त अद्यतन निर्देशों का पालन किया जायेगा।

(iv) परीक्षा में निम्न न्यूनतम अर्हतांक (प्रश्न पत्र 2 एवं 3 को जोड़कर) से कम अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को मेधा–सूची में शामिल नहीं किया जायेगाः–

(I)	अनारक्षित एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	– 40 (चालीस) प्रतिशत
(II)	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं महिला वर्ग	– 32 (बत्तीस) प्रतिशत
(III)	अत्यन्त पिछड़ा वर्ग –(अनुसूची–1)	– 34 (चौंतीस) प्रतिशत
(IV)	पिछड़ा वर्ग अनुसूची–2	– 36.5 (साढ़े छत्तीस) प्रतिशत
(V)	आदिम जनजाति	– 30 (तीस) प्रतिशत

(v) उपर्युक्त उप कंडिकाओं के आधार पर सामान्य मेधा–सूची तैयार की जायेगी और तदुपरान्त रिक्तियों के सापेक्ष आरक्षण कोटिवार चयन सूची गठित होगी।

20. ऊँचाई की माप एवं चिकित्सीय जाँच परीक्षा :–

लिखित परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर विज्ञापित कुल रिक्ति के सापेक्ष मेधासूची के आधार पर कोटिवार आरक्षण के अनुसार अभ्यर्थियों को चिकित्सीय परीक्षण हेतु अल्पसूचीबद्ध किया जायेगा। उक्त परीक्षण के अंतर्गत अभ्यर्थियों की ऊँचाई की माप एवं चिकित्सीय परीक्षण जिला के असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी की अध्यक्षता में अथवा उनके द्वारा गठित चिकित्सा पर्षद द्वारा किया जायेगा।

ii) **अभ्यर्थियों के शारीरिक बनावट में मुड़ा घुटना, धनु पैर, समतल पैर, स्पीत शिरा, ऊँगलियों का उचित ढंग से नहीं घुमना, दृष्टिदोष, कलर ब्लाईंडनेश (Colour Blindness) / रतौंधी (Night Blindness), Hearing, Stammering, Bericocele/ Hydrocele/ Piles और Any Communicable Physical/ Mental disease आदि की चिकित्सीय परीक्षण की जायेगी।**

iii) अभ्यर्थियों की ऊँचाई की माप एवं चिकित्सीय जाँच परीक्षा में अयोग्य पाये गये अभ्यर्थियों को अपीलीय चिकित्सा पर्षद के समक्ष चिकित्सीय जाँच हेतु उपस्थित होने का अवसर प्रदान किया जायेगा। चिकित्सीय जाँच के मामले में अपीलीय चिकित्सा पर्षद का निर्णय अंतिम होगा एवं इसके विरूद्ध कोई अपील स्वीकार्य नही होगा।

iv) प्रथम चरण के उक्त चिकित्सीय परीक्षण के उपरांत विज्ञापित कुल रिक्ति के सापेक्ष योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में आयोग द्वारा कोटिवार आरक्षण के अनुसार मेधाक्रम

ResultBharat.com

में नीचे आसीन अभ्यर्थियों को अगले चरण के चिकित्सीय परीक्षण हेतु आमंत्रित किया जायेगा।

21. अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन

विवरणिका की कंडिका–19 के आधार पर मेधा–सूची प्रारूप गठित करने के पश्चात् मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर चयनित उम्मीवारों के प्रमाण पत्रों की जाँच आयोग द्वारा करायी जायेगी।

प्रमाण पत्रों की जांच के क्रम में यदि किसी कोटि के उम्मीदवार के आवेदन पत्र में अंकित दावों का सत्यापन नहीं हो पाता है और उनकी उम्मीदवारी उक्त कोटि की रिक्ति के लिए स्थापित नहीं होती है तो ऐसी स्थिति में सम्बन्धित कोटि में रिक्त पदों के विरूद्ध मेधासूची में उपलब्धता के आलोक में निचले क्रम के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा प्रमाण–पत्रों की जाँच के लिए आमंत्रित किया जायेगा।

22. नियुक्तिः–

(i) परीक्षा में सफलता, सेवा पदों पर नियुक्ति के लिये कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करेगा, जब तक झारखण्ड सरकार का, ऐसी जांच के पश्चात्, जो आवश्यक समझी जाय, समाधान नहीं हो जाता है कि अभ्यर्थी लोक सेवा में नियुक्ति के लिये अपने चरित्र और पूर्व वृत्त के सम्बन्ध में सभी प्रकार से उपयुक्त है।

(ii) सेवा में नियुक्तियाँ, समय–समय पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनुसूची–1), पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–2) तथा आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के लिये सेवा में विशेष प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में आदेशों के अध्यधीन होगी।

ResultBharat.com

परिशिष्ट–(XIV)

जनजातीय/क्षेत्रीय भाषाओं का पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

पुस्तक – क्षितिज भाग–2

काव्य–खण्ड

1. उधो तुम हौ अति बड़ेभागी – सूरदास
2. राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद – तुलसीदास
3. 'डार द्रुम पलना' 'पलनी नुपूर' – देव
4. 'आत्मकावय' – जयशंकर प्रसाद
5. 'उत्साह', 'अट नहीं रही' – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
6. 'फसल', 'यह दंतुरित मुस्कान' – नागार्जुन
7. छाया मत छुना मन – गिरिजा कुमार माथुर
8. कन्यादान – ऋतुराज
9. संगतकार – मंगलोश डबराल

गद्य–खण्ड

1. नेता जी का चश्मा – स्वयं प्रकाश
2. बाल गोबिन भगत – रामवृक्ष बेनीपुरी
3. लखनवी अंदाज – यशपाल
4. मानवीय करूण की दिव्य चमक – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
5. एक कहानी यह भी – मन्नू भंण्डारी
6. स्त्री शिक्षा के विरोधी, कुतर्कों का खण्डन – महावीर प्रसाद द्विवेदी
7. नौबत खाने में इबादत – यतीन्द्र मिश्र
8. संस्कृति – भक्त आनन्द कौसल्यायन

पुस्तक–कृतिका भाग–2

1. माता का आँचल – शिवपूजन सहाय
2. जार्ज पंचम की नाक – कमलेश्वर
3. साना साना हाथ जोडि – मधु कांकरिया
4. एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा – शिवप्रसाद मिश्र रूद्र
5. मैं क्यों लिखता हूँ – अज्ञेय

व्याकरण :– क्रिया भेद, वाक्य भेद, संज्ञा, सर्वनाम, अव्यय, क्रिया विशेषण, अविकारी, समास, कारक, अनेकार्थी शब्द, मुहावरे, विपरीतार्थक शब्द, पत्र लेखन।

ResultBharat.com

<u>विषयः कुरमाली</u>

1. **व्याकरण** : संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, भिन्नार्थक शब्द, विलोम शब्द, प्रत्यय, वाक्य – शुद्धिकरण।
2. **शिष्ट साहित्य** : कुरमाली – साहित्य के सभी पाठांश (कहानी, गीत, कविता)
3. **लोक साहित्य** : कुरमाली लोकथा
   - लोकगीत – करम, बिहागीत, डमकच, बांदना (सोहराई)
   - झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी
   - कुरमाली साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ
   - कुरमाली साहित्य का सामान्य परिचय

<u>विषय : हो</u>

1. **<u>व्याकरण :–</u>** संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, काल, क्रिया, विशेषण, वचन, लिंग, पुरूष, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, विलोम शब्द, कहावत, मुहावरे, पहेली काल आदि।
2. <u>साहित्यः</u>

(i) **गद्य संग्रहः–** मगे मुनु जगर, मादेड़ साड़े, लको बोदरा, बले बुरू रेयः काअनि, रितुइ गोन्डाई, लाङ ओए चिल्काते बोंडोलेयना।

(ii) **पद्य संग्रहः–** गुलाब बड़ा, दिषुम, अबुअः भारत दिसुम, अम्बुल, जोनोम दिसुम, सिंगि।

<u>विषय : खोरठा</u>

1. **गद्य भागः–** कहानी, एकांकी, नाटक, लघु उपन्यास

(क) खोरठा गद्य– पद्य संग्रह– प्रकाशक खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद बोकारो।

(ख) दू डाइर जिरहुल फूल

2. **व्याकरणः–** संज्ञा, सर्वनाम, कारक, लिंग निर्णय, मुहावरा, कहावत।
3. **निबंधः–** समसामयिक विषय पर

<u>खड़िया</u>

1. **<u>व्याकरण :–</u>** संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, अनेकार्थक शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, वाक्य शुद्धिकरण, मुहावरा, बुझावल, उल्टा शब्द।
2. **शिष्ट साहित्य :–** खड़िया पाठ्य पुस्तक के सभी पाठांश (कहानी, गीत, कविता आदि)

ResultBharat.com

3. **लोक साहित्य :–**

(i) खड़िया कहानी (लोककथा)

(ii) खड़िया गीत–पर'ब–तिहा, बिहा (केरसोड.), मुरड', कसासिड.।

(iii) खड़िया साहित्यकार–जुलियस बा', प्यारा केरकेट्टा, जोवाकिम डुँगडुँग, पौलुस कुल्लू।

(iv) **निबंध** – शहीद तेलेंग खड़िया, खड़िया महासभा, बंदोई, जाड कोर, करम, मदेइत, जनम पर'ब।

विषयः पंचपरगनिया

1. **व्याकरण :–** संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, समान शब्द अर्थ अनेक, उल्टा शब्द, प्रत्यय, वाक्य शुद्धिकरण, विशिष्ट शब्द, पत्र लेखन आदि।

2. **शिष्ट साहित्यः–** पंचपरगनिया साहित्य पुस्तक के सभी पाठांश (कहानी, गीत, कविता आदि)

3. **लोक साहित्य–**

(i) मारांग बुरू,

(ii) पूजा थान (देवस्थल)

(iii) करम गीत, सँहरइ गीत, बिहा गीत, पुसगीत, मंतर गीत।

(iv) बिरसा मुण्डा, स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े लोग

(v) पंचपरगनिया साहित्यकार एवं उनकी कृति

(vi) पंचपरगनिया साहित्य का परिचय

ResultBharat.com

विषय : संथाली भाषा का पाठ्यक्रम

1. **व्याकरण** – संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, समान शब्द अर्थ अनेक, विलोम शब्द, प्रत्यय, वाक्य शुद्धिकरण।

2. **शिष्ट साहित्य** – संताली–साहित्य पुस्तक के सभी पाठांश (कहानी, गीत, कविता आदि)

3. **लोक साहित्य** –

(क) आगिल हापड़ाम कोवा; काथा,

(ख) आगिल हापड़ाम कोवा सेरेञ–एनेच्–बाहा, डाहार, सोहराय, काराम, दाँसाँय।

(ग) माहात्मा गाँधी जियोन चरित।

(घ) सिदो कानहू और तिलका माँझी जीवन एवं आंदोलन

(ड़) संताली साहित्यकार एवं कृत्ति

(च) संताली साहित्य का परिचय

<u>विषय : संस्कृत</u>

प्रश्न झारखण्ड राज्य के मैट्रिक स्तर की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंगे। झारखण्ड राज्य में दशम कक्षा हेतु स्वीकृत पुस्तक शेमुषी (भाग–2) के सभी पाठ तथा उनमें अनुप्रयुक्त व्याकरण इसमें मुख्य रूप से शामिल होंगे। इनके अतिरिक्त शब्द रूप, धातु रूप, तथा व्याकरण के अन्य भाग इस प्रकार होंगे –

<u>शब्द रूप</u>

बालक, फल, रमा, पति, मति, नदी, धेनु, वधू, पितृ, मातृ, राजन, गच्छन्, भवत्, आत्मन्, विद्वस, तत्, किम्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्।

<u>धातु रूप (लट, लोट, विधि लिङ्ग, लङ्, तथा लृट लकारों में)</u>

पठ्, गम्, लिख्, पा, स्था, दृश, अस्, भज्ञ, घ्रा, हन्, श्रु, नृत्, स्पृश, कथ्, कृ, ज्ञा तथा क्री।

सन्धि – स्वर सन्धि (भेदों सहित), व्यंजन सन्धि, विसर्ग–सन्धि।

समास – तत्पुरूष, वहुब्रीहि तथा द्वन्द्व समास।

कारक – सभी विभक्तियों का प्रयोग।

सामान्य व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, ध्वनि, पद, धातु, वाच्य रिर्वतन (केवल लट् लकार में)

ResultBharat.com

<u>विषय : नागपुरी</u>

1. **नागपुरी व्याकरण से–** वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, विशेषण, क्रियाविशेषण, कारक, काल धातु, क्रिया, अव्वय, विपरीतार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द उपसर्ग–प्रत्यय, समास अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, वाक्य शुद्धि।

2. **नागपुरी शिष्ट साहित्य से –** मंजर– भाग–2 से– शकुंतला मिश्र, डॉ॰ उमेशनन्द तिवारी

3. **नागपुरी लोक सहित्य से –** लोक गीत, लोक कथा, कहावत, पहेली, मुहावरे

विषय : मुण्डारी

1. **व्याकरण** – संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग पुरूष, समान शब्द अर्थ अनेक, विलोम शब्द, प्रत्यय, वाक्य शुद्धिकरण।

2. **शिष्ट साहित्य** – मुण्डारी साहित्य पुस्तक के सभी पाठांश–कहानी, गीत कविता।

3. **लोक साहित्य** – मुण्डारी लोक गीतों (बा, करम, जरगा, जतरा, जपि, अड़ान्दि)

विषयः कुडुख़

1. **व्याकरण** – संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण, क्रिया विषेषण, लिंग, वचन, पुरूष, पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, कहावत, मुहावरे, पहेली, काल आदि।

(क) **शिष्ट साहित्य** – कुडुख़ साहित्य पुस्तक के सभी पाठांश (कहानी, उपन्यास, नाटक, गीत, कविता)

2. **लोक साहित्य** –

(क) लोक कथा
(ख) लोक गीत
(ग) मुहावरे
(घ) कहावतें
(ङ) पहेली

ResultBharat.com

विषय :उड़िया

1. गद्य विभाग

(A) साहित्य – **2007 (OBSE)**

(a)	दुनियार हालचाल	–	गोपाल चन्द्र प्रहराज
(b)	नारद स्तुति	–	डा॰ सदाशिव मिश्र
(c)	जातिय स्रोतरे वुद्विजीवी मानंक स्थान	–	डा॰ वैद्यनाथ मिश्र
(d)	स्वाधीन जातिर नूतन मूल्यवोध	–	डा॰ गोलक विहारी धल

(B) आम साहित्य – 2007 (OBSE)

(a)	उच्चाभिलाष	–	शशिभूषण राय
(b)	सेहि स्मरणीय दिवस	–	डा॰ हरेकृष्ण महताव
(c)	विद्या ओ विधार्थी	–	चित्तरंजन दास

2. पद्य विभाग

(A) साहित्य – 2007 **(OBSE)**

(a)	उत्कल संतन	–	मधुसूदन दास
(b)	नदी प्रति	–	मधुसूदन राउ
(c)	धउली पाहाड़	–	पदमचरण पट्टनायक
(d)	आगामी	–	कालिन्दीचरण पाणिग्राही
(e)	बापुजी	–	डा॰ मायाधर मानसिंह

(B) आम साहित्य – 2007 **(OBSE)**

(a)	युधिष्ठिरंक धर्म परीक्षा	–	शारला दास
(b)	रामचरित	–	उपेन्द्र भंज
(c)	छांट पुणि एडे से विराट	–	सच्ची राउतराय
(d)	ग्रामपथ	–	विनोद चन्द्र नायक

2. उड़िया साहित्यर इतिहास

(a)	उड़िया साहित्यर आदि पर्व	–	सुरेन्द्र मंहान्ती
(b)	उड़िया साहित्यर इतिहास मध्य पूर्व	–	सुरेन्द्र मंहान्ती
(c)	उड़िया साहित्यर इतिहास	–	डा॰ मायाधर मानसिंह
(d)	उड़िया साहित्यर संक्षिप्त इतिहास	–	डा॰ वृंदावन आचार्य

3. काव्य ओ कविता

(a)	श्रीमद् भागवत (एकादष स्कन्द)	–	जगन्नाथ दाष
(b)	तपस्विनी	–	गंगाधर मेहर
(c)	कारा कविता	–	गोपवन्धु दाष

4. उपन्यास

(a)	छ' माण आठगुण्ठ	–	फकीर मोहन सेनापति
(b)	माटिर मणीष	–	कालिन्दी चरण पाणीग्रही

5. गल्प

(a)	गल्प श्वल्प (प्रथम भाग)	–	फकीर मोहन सेनापति
(b)	आजिर गल्प संकलन (डिमिरी फुल , मागुणीर शगड, शिकार)	–	निमाइ चरण पटट्नायक

ResultBharat.com

6. नाटक

(a) कोणार्क – अश्विनी कुमार घोष

(b) घर संसार – रामचन्द्र मिश्र

7. व्याकरण

लिग, वचन, पुरूष, विभक्ति, अव्वय, क्रिया, संधि, समास, रूढ़ि प्रयोग, विपरीतार्थक शब्द, कुदन्त, तद्यित।

Subject : English Language and Literature

1. Language

- Error Recognition.
- **Grammar**- Adjective, Noun, Pronoun, Verb, Subject-Verb, Agreement, Interchangeability of Noun and Verb, Gerund, Participle, Infinitive, Adverb, Tense, Clause, Transfromation, Narration, Voice, Preposition.
- Synonyms.
- Antonyms.
- Idioms & Phrases.
- Comprehension Passage etc.

ResultBharat.com

2. Literature

- **Novel-** Oliver Twist- Charles Dickens; Animal farm- George Orwell; Five Point Someone- Chetan Bhagat; Treasure Island- R.L. Stevenson; Retold Stories: Lamb's Tales from Shakespeare
- **Poetry-** The Daffodils- William Wordsworth; The Donkey- Sir J. Arthur Thomson; Death Be Not Proud- John Donne; Leisure- W.H. Davis; Where The Mind Is Without Fear- Rabindranath Tagore; The Loveleist of Tress, The Cherry Now- A.E. Housman

- **Short Stories-** Three Questions- Leo Tolstoy; The Tiger's Claw- R.K. Narayan; A Man Who Had No Eyes- Mackinley Kantor; The Lost Jewel- Rabindranath Tagore .
- **Essay-** Good Manners- J.C. Hill; The Sun, the Planets and the Stars- C. Jones; Animals In Prison- Jawaharlal Nehru; Forgetting- R. Lynd.
- **A History of the English Language (in short):** A History of English Language- A.C. Baugh, Origins of the English Language- Joseph Willies, Wikipedia.org

---

Subject : Urdu

1. Prose
   - i. Qaumi Hamdardi - Hali
   - ii. Guzra Howa Zamana - Sir Syed Ahmed Khan
   - iii. Achhi Kitab - Molvi Abdul Haque
2. Poems
   - i. Tarana-e-Hind - Iqbal
   - ii. O Desh se Aanewale Bata - Akhtar Sheerani
   - iii. Nagma-e-Sahar - Josh Malihabadi
   - iv. Barkha Rut aur Pardes - Hali.
3. Grammar
   - i. Opposite
   - ii. Gender
   - iii. Singular
   - iv. Plural
   - v. Meanings.

ResultBharat.com

Subject : Bengali Language and Literature

1. Novel, Drama, Poetry

(A) Ramer Sumati- Sharatchandra

(B) Mukut-Rabindranath Thakur

(C) Shishu Kabyo (Selected)- Rabindranath Thakur

(i) Manjhi, (ii) Pujar Saj
(iii) Sukhdukkha (iv) Kagajer Nouka

(D) Kabyo Sanchayan- Sahyendranath Dutta

(i) Mati (ii) Jharna

(iii) palkirgan (iv) Sagar Tarpan

2. Grammar- Bisheshya, Bisheshan, Sarbanam, Kirya, Linga, Bachan

3. Essay

4. Letter writing

ResultBharat.com